हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

तापमान
अधिकतम 36 .5 डिग्री
न्यूनतम 21.2 डिग्री

तेज आंधी, फिर बारिश

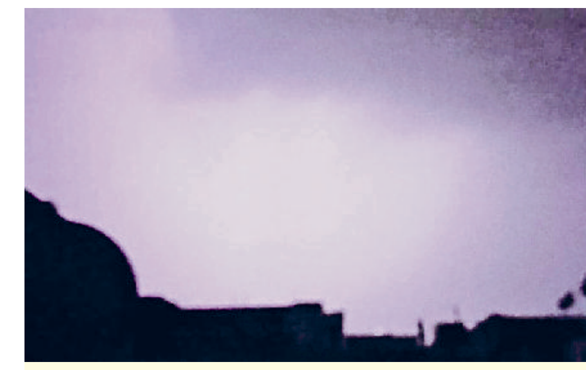

अचानक बदला मौसम, रात को तेज बरसात, जलभराव

बरसात से गर्मी से दी राहत अब 8 अक्टूबर से बढ़ने लगेगी सर्दी

रोहतक। जिले में रविवार को दोपहर बाद अचानक मौसम में बदलाव देखने को मिला। शाम होते-होते आंधी-तूफान ने लोगों को परेशान किया। इसके बाद रात को तेज बरसात ने पूरे शहर को भिगो दिया। सड़कों पर पानी जमा हो गया। वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर पेड़ गिरने की भी सूचना है। दूसरी तरफ, आंधी-बारिश के कारण बिजली आपूर्ति भी बंद करनी पड़ी। बता दें कि इस बरसात से कई दिनों हो रही गर्मी से राहत मिली है। अब मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग का कहना है कि आठ अक्टूबर से तापमान में तेजी से गिरावट देखने को मिलेगी। इसके बाद दीपावली तक ठंड बढ़नी शुरू हो जाएगी। बारिश शुरू होते ही बिजली निगम ने पूरे जिले में कट लगा दिया, ताकि कोई अप्रिय घटना ना हो हालांकि मौसम पलटने से लोगों ने भी गर्मी से राहत की सांस ली।

खबर संक्षेप

जुविनाइल जस्टिस बोर्ड की सदस्य बनीं आशा शर्मा

रोहतक। रविवार हरियाणा सरकार ने जुविनाइल जस्टिस बोर्ड (जे जे बी) की नई सूची जारी कर दी है । ज़िला रोहतक में आशा शर्मा को सदस्य की नियुक्ति दी गई है। भाजपा के साथ अपने सफर के बारे में बोलते हुए उन्होंने बताया कि वो लंबे समय से भाजपा से जुड़ी हैं । पन्ना प्रमुख से मंडल स्तर के विभिन्न दायित्व,भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, ज़िला उपाध्यक्ष, ज़िला महामंत्री तक संगठन के विभिन्न पदों पर रह कर बतौर जमीनी कार्यकर्ता भाजपा से जुड़ी हैं । इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए आशा शर्मा ने कहा आप जो भी कार्य करे, समर्पण भाव से कार्य करते रहें । सकारात्मक सोच के साथ कोई भी सामाजिक कार्य अवश्य ही रंग लाता है । शीर्ष नेतृत्व का शुक्रिया करते हुए उन्होंने अंत में कहा कि वो अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी से करेंगी ।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर लीला का मंचन कल

महम। भराण गांव में मंगलवार 7 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। एडवोकेट सुनील कुमार घोघलिया ने बताया कि सुबह 8 बजे भंडारा लगाया जाएगा, जबकि शाम को 8 बजे वाल्मीकि लीला का मंचन किया जाएगा। यह कार्यक्रम महर्षि वाल्मीकि युवा समाज कल्याण सोसाइटी द्वारा आयोजित किया जाएगा।

महम अनाज मंडी में बाजरे की खरीद में तेजी

महम। अनाज मंडी महम में बाजरा की खरीद सुचारू शुरू न होने से इलाके के किसान परेशान हैं। हालांकि अनाज मंडी में बाजरा की खरीद का कार्य शुरू हो गया है। अब तक अनाज मंडी में 156 क्विंटल बाजरा पहुंच चुका है। जिसमें से शनिवार को पहली बार 82 क्विंटल बाजरा की खरीद की गई है। 74 क्विंटल बाजरा की अभी बिक्री नहीं हो सकी है। मंडी में 80 क्विंटल धान भी पहुंच चुकी है। लेकिन धान की अभी खरीद शुरू नहीं हो पाई है। भैणीचंद्रपाल गांव निवासी एडवोकेट दल सिंह सिवाच ने बताया कि इलाकेके काफी संख्या में किसान बाजरा की खरीद शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

चेयरमैन उदयभान का खरावड़ में सम्मान

सांपला। खंड के गांव खरावड़ में रविवार को हाल में बनाए गए मार्केट कमेटी के चेयरमैन उदयभान मलिक का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें भाजपा नेताओं ने पहुंचकर उन्हें बधाई दे। इस समारोह में नगर निगम के मेयर राम अवतार वाल्मीकि, खरखोदा विधायक पवन कुमार, पूर्व विधायक सरितानारायण, जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणबीर ढाका, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, दिल्ली से पूर्व विधायक धर्मदेव सोलंकी, रेनू डाबला सहित सैकड़ों कार्यकर्ता इस समारोह में शामिल हुए।

185 लोगों का स्वास्थ्य एवं नेत्र जांचा

रोहतक। गोपालपुरा, नंद कॉलोनी में जीएवीपीएस फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को निशुल्क स्वास्थ्य और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य स्थानीय लोगों को मुफ्त चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना और स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना था। शिविर में कुल 185 लोगों ने जांच का लाभ लिया, जिसमें बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित सभी आयु वर्ग के लोग शामिल थे।

वैक्सीनेशन कब तक : रोहतक में कुत्तों का आतंक गंभीर समस्या, भय के साये में लोग

आंकड़े सूचना अधिकार से सामने आए

कुत्तों ने 5.5 साल में 88, 666 लोगों को काटकर किया घायल

कुत्तों से निपटने के लिए पिछले पांच साल में प्रशासन की तरफ कोई योजना नहीं बनाई गई। न ही नगर निगम के पास कुत्तों का रजिस्ट्रेशन है। जिले में कुत्तों के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

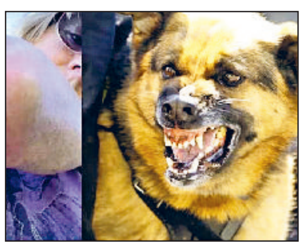

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

जिले में कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। पिछले साढ़े पांच साल में जिले में कुल 88,666 व्यक्तियों को कुत्तों ने काटा। शहर की बात करें तो पिछले साढ़े चार साल में 58,089 लोग घायल हुए। सूचना अधिकार कानून से यह चौकाने वाली जानकारी सामने आई। राज्य जन सूचना अधिकारी और मुख्य चिकित्साधिकारी के अनुसार यह वे आंकड़े हैं जो अस्पतालों में दर्ज हैं। देसी इलाज अपनाने वाले पीड़ित इन आंकड़ों में शामिल नहीं हैं। जबकि कुत्तों से निपटने के लिए पिछले पांच साल में प्रशासन की तरफ कोई योजना नहीं बनाई गई। न ही नगर निगम के पास कुत्तों का रजिस्ट्रेशन है। जिले में शहर और ग्रामीण क्षेत्र में कुत्तों के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने सरकार और संबंधित विभागों से सभी पीड़ितों के उचित इलाज और मुआवजे की मांग की। उपमंडल महम में 7161 लोग, कलानौर में 9560, सांपला में 7666, चिड़ी में 3504 और काहनौर में 605 लोगों को कुत्तों ने काटा। किलोई और लाखनमाजरा सीएचसी में भी कई दर्जन पीड़ित भर्ती हुए।

अलग-अलग लोगों को शिकार बनाया

उपमंडल महम में कुत्तों ने 5328 व्यस्क और 1833 बच्चों सहित कुल 7161 लोगों को काटा। कलानौर में 7664 व्यस्क और 1896 बच्चों को चोट लगी, कुल 9560। सांपला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 7666 व्यक्तियों को घायल किया गया। चिड़ी सीएचसी में 2648 व्यस्क और 856 बच्चों को काटा गया। काहनौर में 556 व्यस्क और 49 बच्चों को चोटें आई। किलोई और लाखनमाजरा सीएचसी में भी दर्जनों लोग घायल हुए। सिविल सर्जन कार्यालय के अनुसार कुत्तों के काटने पर मुआवजे का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। सरकारी अस्पतालों में इलाज निशुल्क होता है। विभाग को साढ़े चार साल में 13,080 इंजेक्शन वेयरहाउस से और 14,520 केंद्रीय स्टोर से प्राप्त हुए। कुल मिलाकर 27,600 इंजेक्शन पीड़ितों को दिए गए।

किसी भी पीड़ित की नहीं हुई मौत

आरटीआई के जवाब में मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि इस अवधि में किसी भी पीड़ित की मौत नहीं हुई। हालांकि कुछ मामलों में इलाज के बाद विदेश में मौत हुई, जैसे एक बच्ची की अमेरिका में मौत। सभी पीड़ितों को गंभीर रूप से टीका लगाया गया और इलाज मुफ्त हुआ। 2020 से 2022 तक काहनौर सीएचसी में हर वर्ष 11 बच्चों को कुत्तों ने काटा। इस अवधि में अस्पतालों में बच्चों और वयस्कों का कुल आंकड़ा 88,666 है। स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी और इंजेक्शन उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है।

काटने का सबसे ज्यादा खतरा यहां-यहां

जिले में कुत्तों के काटने की घटनाओं से सबसे ज्यादा खतरा शहर और कलानौर, महम, सांपला, चिड़ी, काहनौर में है। इंजेक्शन की कुल संख्या 27,600 है, जो सभी पीड़ितों तक पहुंचाई गई। सभी सरकारी अस्पतालों में इलाज निशुल्क और समय पर उपलब्ध कराया गया। पीड़ितों की मौत का कोई प्रत्यक्ष मामला नहीं दर्ज हुआ। कुत्तों के काटने के मामलों में देसी इलाज अपनाने वाले लोग रिकार्ड में नहीं आते। सरकार और स्वास्थ्य विभाग इस समस्या पर लगातार निगरानी रख रहे हैं।

किसी मरीज की मौत की जानकारी नहीं मिली

सूचना अधिकार कानून के तहत यह जानकारी मांगी गई थी। जिसमें यह डाटा सामने आया। पिछले साढ़े 5 साल में कुत्तों ने 88,666 लोगों को काटकर घायल किया। हालांकि कहीं किसी मरीज की मौत की जानकारी नहीं मिली। -**सुभाष, राज्य संयोजक**, हरियाणा सूचना अधिकार मंच,

अब हो रहा वैक्सीनेशन

नगर निगम ने पिछले कुछ दिनों से योजना चलाई है। जिसके तहत कुत्तों को पकड़कर वैक्सीनेशन किया जाता है। हालांकि निगम ने कुत्तों का रजिस्ट्रेशन नहीं किया है। आने वाले समय में यह शुरू हो सकता है।

दोनों पक्ष नहीं आ रहे सामने

युवती को ब्लेड मारने के मामले में दर्ज नहीं करवाए बयान

शनिवार को पहरावर गांव में युवक ने युवती को ब्लेड मारकर पी लिया था ऑल आउट

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

शिवाजी कॉलोनी थाना क्षेत्र के पहरावर गांव में युवक ने युवती पर ब्लेड से हमला कर उसे घायल कर दिया था। इसके बाद युवक ने भी ऑल आउट पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। दोनों को उपचार के लिए पीजीआई भर्ती कराया गया था। जहां अब दोनों पक्षों ने बयान देने से इंकार कर दिया है। इसके बाद पुलिस को शिकायत मिलने का इंतजार है ताकि कोई कार्रवाई की जा सके।

शनिवार की देर शाम गांव में रहने वाला युवक किसी कारणवश युवती से नाराज चल रहा था। शाम के समय मौका पाकर उसने युवती पर ब्लेड से हमला कर दिया। ब्लेड से हुए हमले में युवती बुरी तरह घायल हो गई और मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ी। वारदात को अंजाम देने के बाद युवक ने भी ऑलआउट पी लिया। परिजनों ने दोनों को पीजीआई भर्ती कराया था। वहीं शिवाजी कॉलोनी थाना प्रभारी राकेश सैनी ने बताया कि घटना की जानकारी मिली थी। पुलिस पीजीआई पहुंची तो दोनों पक्षों ने बयान दर्ज करवाने से इंकार कर दिया। मामले में शिकायत मिलने पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है जल्द ही मामला हल कर लिया जाएगा।

वीसी आवास पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने कितना पैसा खर्च किया, इसकी जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता को नहीं दी थी

राज्य सूचना आयोग ने मदवि को जारी किए नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने उनके आवास पर पिछले समय में कितना पैसा मरम्मत के लिए खर्च किया है, इसकी जानकारी यूनिवर्सिटी ने आरटीआई के तहत उपलब्ध नहीं करवाई। सामाजिक कार्यकर्ता एवं सांपला कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. जयपाल धनखड़ ने इस बारे में पूरे प्रदेश की यूनिवर्सिटी के यहां आरटीआई के तहत जानकारी मांगी थी। एमडीयू को छोड़कर बाकी सभी विश्वविद्यालयों ने जानकारी उपलब्ध करवा दी। अब धनखड़ ने राज्य सूचना आयोग में अपील जारी की है। डॉ. जयपाल ने कहा कि अपील स्वीकार करने के बाद सूचना आयोग ने एमडीयू को नोटिस जारी कर दिए हैं। इसमें विश्वविद्यालय के प्रथम अपीलीय अधिकारी प्रो. प्रदीप मलिक को पक्षकार बनाया गया है। प्रथम अपीलीय अधिकारी ने ही डॉ. धनखड़ की अपील खारिज कर दी थी। डॉ. धनखड़ ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा वीसी कितना पैसा अपने कार्यकाल में खर्च कर सकता है, इस बारे में राशि तय की गई है। लेकिन एमडीयू के वीसी आवास पर इससे ज्यादा धन राशि खर्च की गई है, इसलिए यूनिवर्सिटी इसकी जानकारी नहीं दे रही है। इनका कहना है कि गत 11 अप्रैल को जानकारी लेने के लिए आवेदन पत्र जमा करवाया था। डॉ.धनखड़ ने कहा कि जब प्रदेश के नौ सरकारी विश्वविद्यालय जानकारी दे सकते हैं तो एमडीयू क्यों नहीं। इनका कहना है कि इससे ये अंदेशा है कि वीसी आवास की मरम्मत पर तय राशि ज्यादा पैसा खर्च कर दिया गया है।

डॉ. जयपाल धनखड़

जूलॉजी विभाग के 22 विद्यार्थी एचपीएससी में सहायक प्रोफेसर चयनित

रोहतक। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) द्वारा कॉलेज कैडर के लिए सहायक प्रोफेसर पदों पर चयनित उम्मीदवारों की जारी सूची में जूलॉजी विषय में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग के 22 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

जूलॉजी विभाग की अध्यक्षा प्रो. मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि विभाग के विद्यार्थी नितीश सोनी, शक्ति भारद्वाज, आकाश, जगजीत सिंह, अन्नू फोगाट, रोहित, सुजाता, मोनिका भारद्वाज, पूजा कादयान, अंकित कुमारी, पिंकी देशवाल, निशा गुलिया, अन्नू, शीतल, नेहा, अंकिता, पिंकी, सचिन, नविता, भरत सिंह, अमित कुमार और दीक्षा का चयन एचपीएससी द्वारा कॉलेज कैडर में सहायक प्रोफेसर पद के लिए किया गया है। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एससी मलिक और कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने इस उपलब्धि पर चयनित विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस उपलब्धि पर विभागाध्यक्ष प्रो. मीनाक्षी शर्मा समेत विभाग के शिक्षकों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत और अनुशासित शैक्षणिक जीवन का परिणाम है।

क्रिकेट विकेट से पीट-पीट कर जयदीप की हत्या का मामला

बहन बोली, लड़की के मामा के बेटों ने मारा, पहले भी भाई से की थी मारपीट

काफी समय से लड़की के संपर्क में था, कैमरे खंगाल रही है पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

काठमंडी के नजदीक नया पड़ाव में रविवार की सुबह तीन युवकों द्वारा क्रिकेट विकेट से पीट-पीट कर 21 साल के युवक जयदीप की हत्या कर दी गई। युवक की बहन सीमा ने कहा है कि उसके भाई की हत्या लड़की के मामले को लेकर की गई है। आरोप है कि लड़की के मामा के परिवार ने हत्याकांड को अंजाम दिया है। आरोपी इससे पहले भी उसके भाई के साथ मारपीट कर चुके थे लेकिन उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि उसकी हत्या कर दी गई जाएगी। बहन का आरोप है कि उसके भाई के मोबाइल में सारे राज दफन हैं। मोबाइल की जांच पड़ताल करने के बाद सबूत हाथ आ सकते हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, रेलवे रोड निवासी अजीत ने बताया कि उसका छोटा भाई जयदीप जनता कालोनी में नरेश के पास मसाला पेकिंग का कार्य करता था। रविवार को सुबह नौ बजे से 12 बजे तक ड्यूटी पर आता था। रविवार को करीब पौने नौ बजे श्याम मंदिर के नजदीक सामने गली में बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। उसे सिविल अस्पताल ले गए, जहां से पीजीआई रैफर कर दिया गया। पीजीआई में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक जयदेव का (फाइल फोटो)

मृतक के परिजन विलाप करते ।

की जा रही जांच

जयदेव की हत्या की सूचना मिली थी। मामले की जांच की जा रही है। एक युवक का नाम सामने आया है। जांच पड़ताल के बाद ही अन्य आरोपियों का पता चल सकता है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। -**राकेश सैनी**, एसएचओ शिवाजी कॉलोनी

एनसीओई में डीजी सांई का दौरा, एथलीटों और सुविधाओं का किया मूल्यांकन

रोहतक। भारतीय खेल प्राधिकरण के सचिव (खेल) एवं डायरेक्टर जनरल हरिरंजन राव (आईएएस) रविवार को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र पहुंचे। उनके साथ उत्तरी क्षेत्रीय निदेशक शिवम शर्मा भी उपस्थित थे। यह दौरा केंद्र की वर्तमान सुविधाओं, प्रशिक्षण पद्धतियों और भविष्य में इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने की संभावनाओं का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से किया गया। डेप्युटी डायरेक्टर गौरव रावत की अगुवाई में एनसीओई की पूरी टीम ने डीजी साई से मुलाकात की। उन्होंने केंद्र के प्रशिक्षण कार्यक्रमों, एथलीटों की प्रतिभा पहचान और प्रशिक्षण संरचना पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बॉक्सिंग टीम से भी बातचीत की, उनके प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें और बेहतर करने हेतु प्रेरित किया। केंद्र का गहन निरीक्षण करते हुए मौजूदा चुनौतियों को समझा और सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने नवीनतम खेल प्रौद्योगिकी और आधुनिक प्रशिक्षण पद्धतियों को अपनाने पर बल दिया, ताकि एथलीटों को सर्वोत्तम समर्थन मिल सके। उन्होंने कहा कि एनसीआई रोहतक में प्रतिभाशाली एथलीटों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने अपार संभावनाएं हैं और इसे और सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। इस अवसर पर केंद्रीय प्रभारी व उपनिदेशक गौरव रावत ने कहा कि डीजी का यह पहला दौरा हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने हाल ही में दो सप्ताह पहले यह कार्यभार संभाला है और डीजी के मार्गदर्शन में केंद्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए पूरी टीम कार्यबद्ध है।

सेवाभाव मेयर राम अवतार वाल्मीकि ने सेवा केंद्र का दौरा कर की सराहना, हर संभव मदद का भरोसा

बिल्ली, कुत्ते, मोर, कबूतर, गाय, घोड़े सहित अन्य पशु-पक्षियों का कराते हैं इलाज

लावारिस पीड़ित पशुओं की सेवा को बनाया जीवन का मिशनः डॉ. जगदीश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

लावारिस और पीड़ित पशुओं की सेवा ही मेरा जीवन का उद्देश्य है। यह कहना है हरियाणा गोशाला महासंघ के प्रधान और समाजसेवी डॉ. जगदीश मलिक का। रविवार को रोहतक के मेयर रामावतार वाल्मीकि दिल्ली बाईपास स्थित लावारिस पीड़ित पशु सेवा संघ पहुंचे, जहां कार्यकारिणी और पदाधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। डॉ. मलिक ने मेयर को पशु सेवा संघ के कार्यों से अवगत करवाया और केंद्र का विस्तृत दौरा कराया। डॉ. मलिक ने बताया कि जैसे ही किसी घायल या लावारिस पशु की सूचना मिलती है, संघ की एंबुलेंस मौके पर पहुंच जाती है। घायल या बीमार पशुओं को तुरंत उठाकर सेवा केंद्र लाया जाता है, जहां उनका बेहतर इलाज कर उपचार किया जाता है। ठीक होने के बाद इन पशुओं को उसी स्थान पर छोड़ा जाता है, जहां से उन्हें लाया गया था। मेयर ने यहां पर बिल्ली, कुत्ते, मोर, कबूतर, गाय और घोड़े जैसे विभिन्न पशु-पक्षियों को इलाज कराते देखा और पशु सेवा संघ के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। डॉ. जगदीश मलिक और उनकी टीम जिस सेवा भाव से कार्य कर रही है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने संघ को हर प्रकार की मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि नगर निगम स्तर पर भी इन सेवाओं को और मजबूत करने के प्रयास किए जाएंगे।

ये मौजूद रहे

कार्यक्रम में लावारिस पीड़ित पशु सेवा संघ की कार्यकारिणी के महासचिव महेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संजय बंसल, सदस्य रमेश दलाल, रमेश नवल, रोहतास गीझी, कैप्टन जगबीर मलिक, समाजसेवी राजवीर मलिक, सूबेदार मेजर सुरेंद्र मलिक, रणवीर चौधरी, राजकुमार पटवारी, सनी मलिक, रमेश साहित्य सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

वीरों का सम्मान करना हमारी प्राथमिकता

कप्तान जगबीर मलिक और सूबेदार मेजर सुरेंद्र मलिक ने मेयर को विजय द्वार निर्माण की पुरानी मांग भी याद दिलाई। इस पर मेयर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वीरों का सम्मान करना हमारा प्रमुख कार्य है। उन्होंने बताया कि निगम हाउस की बैठक में विजय द्वार निर्माण का प्रस्ताव रखा जा चुका है और बहुत जल्द इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

स्त्री अपने दर्द-दु:ख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह दिनचर्या में व्यस्त रहती।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

कलंक

वि वाह के केवल चार महीने बाद ही अंकिता फिर कभी ससुराल न जाने के इरादे के साथ पीहर लौट आई। कुशल-क्षेम जानने के बाद बेटी कितने दिन साथ रहेगी इस उत्सुकता से माँ ने पूछा- 'अमर कब आएगा तुझे लेने?'

माँ के इस प्रश्न पर उस वक्त तो अंकिता मौन साध गई, परन्तु अगले एक दो दिन में ही उसने स्पष्ट कर दिया कि अब वह कभी ससुराल नहीं जाने वाली। यह जानकर उसकी माँ के तो जैसे पैरों तले से जमीन ही खिसक गई। बड़ी मुश्किल से तो बेटी को एमबीए करवाकर हाथ पीले किए थे। छोटी श्वेता भी तो कॉलेज जाने लगी है। पीयूष दसवीं में हो गया है। मात्र डेढ़ एकड़ का किसान बलजीत और कृष्णा ने अपनी दिन-रात की मेहनत से बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा उठाया हुआ है। पढ़ाई के खर्चे और भारी-भरकम फीस ने कभी कृष्णा को पसंद का कपड़ा तक तन से न लगाने दिया। जो पीहर से मिल जाता उसी में सब्र कर वह दो भैंसों का दूध बेचकर हर माह कुछ न कुछ बचत करती है ताकि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से हो सके। अंकिता के एमबीए करते ही बलजीत ने उसके लिए लड़का देखना शुरू कर दिया। जल्दी ही गाँव से लगभग तीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित महम में रहने वाले श्रीनिवास के लड़के अमर से उसका रिश्ता तय कर चट मंगनी पट ब्याह की कहावत चरितार्थ करते हुए हाथ पीले कर दिए। बलजीत ने चद्दर से बाहर पैर पसारते हुए बेटी को दहेज में कपड़े, गहने, घर के दैनिक उपयोग का सामान आदि भी दिए ताकि बेटी को पराये घर में किसी चीज की दिक्कत न हो। कृष्णा और बलजीत दोनों को लगता था कि बेटी सुखी रहेगी। वे उसकी जिम्मेदारी से मुक्त हो गए हैं तो कुछ दिनों में अपनी मेहनत से इधर-उधर से लिया गया उधार भी वे जल्दी ही चुका देंगे। परन्तु इतनी शीघ्र बेटी का ससुराल से मोहभंग होना उनके सपनों पर गाज गिरने के समान था। कारण चाहे कुछ भी हो पर बेटी का वापस आकर बैठना! क्या कहेंगे लोग? कहीं बेटी किसी और के चंगुल में तो नहीं है? यह आशंका भी उनके मन में उठी परन्तु भोली-भाली अंकिता का निश्छल स्वभाव उन्हें ऐसा सोचने की अनुमति नहीं दे रहा।

कृष्णा को याद आया कि महीना भर पहले जब अंकिता आई थी तो उसकी एक ही मांग थी 'माँ मेरे लिए अलग बिस्तर बना दो ताकि मैं वहाँ रहकर अलग कमरे में पढ़ाई कर सकूँ।' यह सुनकर उसके हृदय को शूल सी चुभी थी कि बेटी ऐसा क्यों कह रही है। परन्तु उसने अंकिता को सलाह दी 'अभी अपने वैवाहिक जीवन को सुदृढ़ करो पढ़ाई लिखाई तो चलती ही रहेगी।' यह कहकर कृष्णा ने बिस्तर वाली बात अगली बार पर टाल दी थी। परन्तु उसे क्या पता था कि अलग सोने का बहाना करने वाली अंकिता महीने भर बाद कभी वापस न जाने का मन बनाकर लौट आएगी। बलजीत तो बेटियों से कम बात करता है। वह बार-बार कृष्णा को अंकिता का मन लेने को कहता। स्त्री अपने दर्द-दुःख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण व मिलन के उल्लास का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह अपनी दिनचर्या में व्यस्त रहती। उसे तसल्ली इस बात की थी कि अंकिता ने कभी सास-ससुर, देवर, ननद, पति किसी के भी व्यवहार की, किसी तरह की कमी या दुःख की कोई शिकायत नहीं की तो उन्हें लगता रहा कि सब ठीक ही होगा।

कहते हैं न कि दीवारों के भी कान होते हैं। शायद यह सच ही होगा तभी तो अंकिता के ससुराल न जाने की बात गाँव भर में फैल गयी। अब लोगों ने उसे और चटपटी करते हुए नमक-मिर्च लगाकर तलाक की बात तक पहुंचा दिया। बात जब बाहर निकली तो बतंगड़ बनने ही थे। कुछ लोग तो आजकल लड़कियाँ कितनी बिगड़ गयी हैं का उदाहरण अंकिता का नाम लेकर देने लगे। जो भी सुनता एक वाक्य अपनी तरफ से जोड़ ही देता 'आजकल की लड़कियाँ घर कोनी बसावैं' तो कोई कहता 'देख लिया घणी पढ़ावण का नतीजा' और कोई कहता 'छोड़ दी होगी लड़के वालों ने, ये अपनी का कसूर क्यों बतावेंगे' मतलब जितने मुँह उतनी बात। जबकि इस प्रकरण से पहले यही लोग थे जो अंकिता की शराफत का उदाहरण अपनी बेटियों को देते थे।

इन सब बातों को बिना सुने भी अनुभव करते बलजीत कृष्णा बेटी के उतरे मुँह को देख खुद भी उदासी में डूब जाते। माँ भाँति-भाँति के जतन करती उसके मन की बात जानने को, परन्तु सफल न हो पाती। माँ तो माँ होती है अपनी संतान के हित उसके प्रयास कभी थमते नहीं। एक दिन गली में 'सूट ले ल्यो, सूट ले ल्यो' की आवाज सुनकर कृष्णा ने अंकिता को सुनाते हुए पीयूष से कहा 'बेटे बुला तो फेरी वाले को दो-चार अंकिता और एक सूट उसकी सास के लिए ले लेती हूँ।'

'रुक जा पीयूष' बाहर निकलते भाई को अंकिता ने रोका तो उसके पाँव ठिठक गए। 'माँ आप लोगों को कितनी बार कह चुकी कि मुझे वहाँ नहीं जाना।' उसने माँ की ओर देखते हुए कहा।

'पर क्यों नहीं जाना? कोई कारण तो हो? फिर यहाँ क्या करेगी? बाप की छाती पे मूंग दलेगी? देख तेरे छोटे बहन-भाई पर क्या असर पड़ेगा तेरे इस फैसले से। हम लोगों को क्या जवाब देंगे? कभी सोचा है तूने?' कहती हुई माँ रोने को हो आई। अंकिता कुछ जवाब देती, उससे पहले ही मोबाइल की घण्टी बज उठी। उसने मोबाइल पर आया नाम देखकर फोन काट दिया। मैट्रिक तक पढ़ी कृष्णा ने उसकी यह हरकत देखकर मोबाइल उसके हाथ से छीन लिया।

'अमर का फोन' वह बुदबुदाई और अगले ही पल वापस फोन मिला दिया। 'हेलो' 'हाँ बेटे' 'नमस्ते मम्मी। अंकिता तो पता नहीं क्यों मेरा फोन नहीं उठा रही, मैं ये कह रहा था कि मैं कल उसे लेने आ रहा हूँ।' 'ठीक है बेटा, आ जाओ, और सब ठीक हैं घर में?' 'हाँ मम्मी सब ठीक हैं।'

अपनी माँ को मेरी राम-राम कह देना बेटे।' कहकर कृष्णा ने फोन काट दिया। 'अंकिता कल अमर आ रहा है तुझे लेने, जाने की तैयारी कर ले बेटी। वो फेरी वाला भी निकल गया। अब मुझे कपड़े लेने जगदीश बनिया की दुकान पर जाना पड़ेगा।' कृष्णा ने सपाट लहजे में कहा। 'मुझे नहीं जाना माँ।' अंकिता ने धीरे से परन्तु दृढ़ निश्चय के साथ कहा। 'पर क्यों नहीं जाना?' कृष्णा ने उसे कंधों से पकड़कर झकझोरते हुए पूछा।

इस बीच पीयूष किताबें उठाकर जीने की सीढ़ियां चढ़ने लगा। श्वेता कॉलेज और बलजीत खेतों में गए हुए थे। आज कृष्णा भी अंकिता से पूरी बात जानने की ठान चुकी थी। सो, उसने अंकिता को अपने पास बिठाकर उसे गले से लगाते हुए कहा-'कारण कुछ भी हो अंकिता बताना तो पड़ेगा तुझे, नहीं तो कल जाना पड़ेगा। मैं तेरी माँ हूँ, तू अपना दुख मुझसे नहीं कहेगी तो किस से कहेगी बेटी। यदि तू पूरी बात बताएगी तो हमें भी तुझे समझने में आसानी रहेगी।' कृष्णा कारण जानने को व्याकुल थी मगर अंकिता का मौन टूटने का नाम ही नहीं ले रहा था। हार कैसे मानती तो फिर एक बार माँ के उत्तरदायित्व ने हौसला दिया- 'देख अंकिता तेरे पिता कितने चिंतित रहते हैं तेरे लिए। आये दिन लोगों को हार्टअटैक की घटनाएं हो रही हैं तेरे पापा को कहीं कुछ हो गया तो...'और वे रुआँसी हो आयी।

'माँ, मैं क्या बताऊँ, कैसे बताऊँ कि सच क्या है। आपने तो घर-नौकरी देखकर मेरा ब्याह कर दिया। मुझे भी वहाँ कोई दिक्कत नहीं किसी से...'कहते हुए अंकिता के होंठ फिर से सिल गए।'

देख बेटा बताना तो पड़ेगा तुझे। हमारी हालत देख रही है न तू। तुम तीनों की पढ़ाई-लिखाई के साथ तेरे ब्याह में उठाये कर्ज के ब्याज का भी भुगतान हम अभी तक नहीं कर पाए हैं।' 'माँ, मैं नौकरी करूँगी। पापा का हाथ बटाऊंगी, सुबह शाम आपके साथ भैंसों का, घर का काम भी करूँगी पर वहाँ मत भेजो माँ, मुझे वहाँ मत भेजो।' कहते हुए अंकिता फफक पड़ी।' पर क्यों ना भेजूँ मेरी लाडो, बात तो बता।'

'माँ, उसे मेरी जरूरत नहीं है वह किसी और लड़के के साथ...'

'लड़के के साथ...' कृष्णा हतप्रभ रह गई। उसे समझ नहीं आ रहा था कि माजरा क्या है। 'माँ, यह मुझ से तो बात ही नहीं करता है। रात को कभी माँ के पास जाकर सो जाता है तो कभी दादी के पास। अभी कुछ दिनों पहले जब ये नहाने गया हुआ था तो इसका फोन बजा। मैंने उठाया तो उधर से कहा गया, तुम कौन हो? मैंने कहा मैं उनकी पत्नी हूँ। तो उसने कहा तू इसकी कुछ नहीं है। मुझसे वादा खिलाफी नहीं कर सकता अमर। हम दोनों साथ रहेंगे। उसकी पत्नी बनकर तो मैं रहूँगा। तुम दफा हो जाओ इसकी जिंदगी से। 'क्या बकवास कर रहे हो तुम' मैंने कहा तो वह गुर्राया-'बकवास नहीं कर रहा हूँ ज्यादा चूं-चपड़ की तो खत्म कर दूँगा तुझे, न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी। और सुन यकीन नहीं आता तो वीडियो भेजता हूँ अभी, देख लेना।' और माँ उसने तत्काल दो वीडियो भेजी। जिन्हें मैंने अपने नम्बर पर फारवर्ड कर अमर के फोन से तत्काल डिलीट कर दिया।

'वीडियो दिखा' कृष्णा ने उतावली होते हुए कहा। अंकिता ने मोबाइल की गैलरी में वह वीडियो टिक कर मोबाइल माँ को थमा दिया। दो पुरुषों की ऐसी गन्दी, घिनौनी वीडियो देखकर कृष्णा की हालत खराब हो गई। यह सब तो जिंदगी में न सुना, न कल्पना की। 'कोई बात नहीं बेटी। आने दे तेरे पापा को मैं बात करती हूँ।' कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात बलजीत को बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो। वह जरूर कुछ समाधान सोचेगा।' हाँ विपिन को तो मैंने वैसे भी बता दिया था कि अंकिता ससुराल जाने से मना कर रही है। उसने कहा भी था कि कोई गम्भीर बात ही होगी। वरना हमारी अंकिता ऐसा क्यों कहती।'

शाम को बड़े भाई का बेटा विपिन घर आया तो बलजीत ने उसे बुला भेजा-'आ जा विपिन आज चाय यहीं बना देगी अंकिता'

'आता हूँ काका' कहते हुए दो मिनट में ही विपिन आ गया। बलजीत ने उसे शुरू से आखिर तक सारी बात बतायी, वीडियो भी दिखाई। उसे आश्चर्य तो बहुत हुआ पर उसने यही कहा कि यह बीमारी भी अब फैल रही है। आपने सुना ही होगा दो-तीन वर्ष पहले नजदीक के ही शहर में ऐसे ही एक चक्कर में विरोध करने पर एक युवक ने अपने परिवार को ही मौत के घाट उतार दिया था। यह सुनकर बलजीत के बदन में झुरझुरी सी आ गयी। 'अब क्या होगा विपिन?' 'होगा क्या काका पहले तो कल अमर आ रहा है उससे पूछ लेते हैं। उसके बाद आगे की सोचेंगे। अगले दिन अमर के पहुँचते ही बाट जोह रहे बलजीत व विपिन ने उसे बैठक में बिठाकर चाय-पानी के बाद जानना चाहा कि मामला क्या है? अमर तो इस चालाकी में था कि जैसे अंकिता को कुछ पता न उसके घरवालों को। 'ऐसा कुछ नहीं है' कहते हुए वह पहले तो साफ मुकर गया। परन्तु विपिन ने उसे बातों में घेरते हुए कहा कि सबूत है मेरे पास।' सबूत तो तब होंगे न जब कुछ होगा' अमर को अपने रुख पर कायम देख विपिन ने उसे वीडियो दिखाई तो अमर सन्न रह गया। उसे एकदम से पसीना आ गया। 'यह तू है न दूसरे लड़के के साथ?' विपिन ने पूरे आवेश में उस पर मुक्का तानते हुए कहा। 'हाँ' कहते हुए अमर ने गर्दन झुकाकर आँखें धरती में गड़ो दी। 'अब तू यहाँ से भाग कल हम आते हैं तेरे घर अपने बाप को बता देना।' अत्यंत क्रोध में बलजीत चिल्ला पड़ा। अमर तुरन्त सटक गया। अंकिता को कलेजे से लगाये उसकी माँ रो पड़ी- 'मेरी बेटी जैसी गयी थी वैसी ही आ गयी। मैं इसकी दूसरी शादी कर दूँगी। पर जो दुहेजू होने का कलंक इस पर लग गया, इसे कैसे हटाऊँ?

कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात उसको बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो।

लघु कथा

वीना सिंह

कागज़ की नाव

पानी मटमैला था, लेकिन आँखें चमक रही थीं।

बरसात के बाद गाँव की उस पतली सी नाली में बहता पानी जैसे कोई समंदर हो, और उसका कप्तान—वो नन्हा बच्चा। टूटी हुई चप्पलें, आधे गीले कपड़े, गले में एक काली डोरी और हाथ मेंइ कागज की नाव।

वो नाव उसकी कल्पना थी—कभी जहाज बन जाती, कभी युद्धपोत। और उसके होंठों पर खिलती मुस्कान, किसी विजेता की सी।

"डूबेगी नहीं?" पीछे से किसी ने पूछा।

उसने बिना मुड़े कहा, "नहीं! मेरी बनाई है। इसे सपनों से जोड़ा है, पानी से नहीं।"

दूर बैठा बूढ़ा दादा, जो कभी अपने बचपन में ऐसी ही नावें बहाया करता था, चुपचाप मुस्कुराया। उसे याद आया, बरसात में बहता पानी कभी सिर्फ पानी नहीं होता—वो बचपन की सबसे पवित्र नदी होती है, जिसमें न कोई डर होता है, न कोई कल की चिंता।

बारिश थम चुकी थी, लेकिन उसके सपनों की नाव बहती रहीइ उस नाली में नहीं, उस आजादी में, जो सिर्फ बचपन जानता है।

कविता

राज ख्यालिया

संगीत

संगीत जब मन को छू जाए,
आत्मा का द्वार खुल जाए।
धुनों में बहती सुध-बुध सारी,
जैसे हो साधना कोई प्यारी।

नाद उठे शिव का डमरू बोले,
वहीं सत्य समाधि के स्वर डोले।
कृष्ण की बंसी जब जहाँ भी गूंजे,
योग की भाषा खोजो तुम खुद में

कला बसी नृत्य की थिरकन में
चित्रकला बहती है रेखाओं में।
शब्दों की रचना में,भावों की बात,
मिले मन को शांति, स्वमं के साथ।

हस्तशिल्प की बुनावट गहरी,
मानवता की कथा कह रही।
रचनात्मकता के हर रंग में,
मन पाता है शांति उमंग में।

जब थकी लगे जीवन की चाल,
ले संगीत, चित्र या राग-माल।
मन के बोझ को हल्का कर लो,
हर चिंता को तितली कर दो।

कभी अकेले में गुनगुनाओ,
या बच्चों संग खिलखिलाओ।
कभी बिखराओ रंग सपनों के,
या थिरको सुरों के धुनों में।

कला ध्यान का सहज उपाय,
तन मन को देता सुकून प्राय:।
योग का यह नया विस्तार,
कला में प्राणों का संचार।

कविता

डॉ.कमलेश मलिक

मां दुर्गा

स्मरण तुम्हारा आते ही मां
पुलकित हो जाता है तन मन

भिन्न-भिन्न रूपों में आकर
भक्तों को खूब रिझाती हो
सब की मांगे अपनी-अपनी
तुम सब पर प्यार लुटाती हो

धूप -दीप - नैवेद्य यही है
कर लाई हूं कुछ शब्द चयन

ब्रह्मचारिणी कहला कर भी
तुम गौरी मां बनकर आयीं
तुम कालरात्रि भी बनी कभी
तुम सिद्धिदात्री भी कहलायीं

हे ! कल्याणी हे! कात्यायिनी
तुमको अर्पित हैं भाव सुमन

हे! आदि शक्ति तुम जगजननी
अमृत बरसाने वाली हो
इस रूखी सूखी धरती को
तुम ही सरसने वाली हो

मैं ढूंढ रही अंतर्घट में
हाथों में मेरे है दर्पण

साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा का कहना है कि युवा पीढ़ी पोर्नोग्राफी वीडियो को सर्च करने में अपना समय बर्बाद कर देती है, लेकिन साहित्य से जुड़ी सामग्री सर्च करने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने चिंता जताई कि मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित गोदान को बच्चा अपने पाठ्यक्रम में होने के कारण उसके प्रश्न-उत्तरों को रट करके परीक्षा दे देता है। ऐसे में गोदान पढ़ने का जो मजा है, वह कैसे आएगा। प्रेमचंद तो गोदान में है, प्रेमचंद गोदान के प्रश्न-उत्तरों में नहीं है।

साक्षात्कार

शमशेर सैनी

साहित्य पाठन से दूर हो रही नई पीढ़ी : डा. शमीम शर्मा

व र्तमान समय में साहित्य बहुत लिखा जा रहा है। आज हर दिन कविता की नई किताब आ रही है लेकिन चिंता का विषय यह है कि उन्हें पढ़ कौन रहा है। पुस्तकें मूल्यांकन के लिए साहित्य अकादमियों के पास पहुंच जाती हैं और डिस्ट्रीब्यूट हो जाती हैं। आज पाठक वही है, जो लेखक है। नई पीढ़ी साहित्य से दूर होती जा रही है। उनकी साहित्य में कोई रुचि नहीं है। काव्य, कहानियां, उपन्यास इन सब से युवा कोसों दूर हो गए हैं।

यह कहना है हरियाणा साहित्य जगत में महिला साहित्यकार एवं शिक्षाविद् के रूप में अपनी एक अलग पहचान रखने वाली डॉ. शमीम शर्मा का। साहित्यकार डॉ. शर्मा हरिभूमि के साथ विशेष बातचीत कर रही थीं। उन्होंने साहित्य की शुरुआत से लेकर नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति कम होती रूचि जैसे विषय पर लंबी चर्चा की। डॉ. शर्मा ने कहा कि साहित्य क्या लिखा जा रहा है, कितना लिखा जा रहा है, यह तो बाद का प्रश्न है, जो लिखा जा रहा है, वो इतना सजावटी हो गया है कि जैसे हमारी पांडुलिपियां हैं, उन्हें लाल वस्त्रों में लपेटकर रखा गया है। वर्षों से रखी हुई है। कोई उनको पढ़ता नहीं, खोलता नहीं। मुंशी प्रेमचंद, महाकवि जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला यह लाइब्रेरी की सज्जा हो गए हैं। जैसे घर में सजावट का सामान रखा हो। न उन्हें कोई गले लगाते हैं, न कोई उन्हें स्पर्श करता है। उसी तरह से किताब होती जा रही है। एक समय था जब लोग साहित्य पढ़ने को लालायित होते थे। पढ़ने का शौक इतना प्रगढ़ था कि लोग साहित्य, पत्रिकाएं किराए पर लेकर पढ़ते थे। उस समय पढ़ने का बड़ा महत्व था। आज के परिप्रेक्ष्य में हम देखते हैं कि जो पढ़ने का शौक होता था वह शौक धीरे-धीरे यह मोबाइल खा गया है। बिना साहित्य के पली पीढ़ी पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में घरों से किताबें गायब होती जा रही हैं। इसका नतीजा यह है कि युवा साहित्य से बेखबर हैं। बिना साहित्य के पली पीढ़ी समाज के लिए नुकसानदायक है। अच्छे साहित्य की पहचान न होना, अच्छे लेखकों को बेहतर मौके न मिल पाना और खराब साहित्य का प्रचलन में आना भी समाज के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि पुष्पक विमान है, जिसने रामचरितमानस पढ़ी नहीं, उसको क्या पता कि हमारे यहां हजारों साल पहले पुष्पक विमान की खोज हो चुकी थी। वर्तमान में विश्व के कई देश युद्ध के दौरान मिसाइल छोड़ रहे हैं। हमारे यहां तो महर्षि वाल्मीकि ने रामायण में 5000 साल पहले ही अग्नि बाण, वायु बाण आदि का जिक्र कर दिया था।

सोशल मीडिया पर फर्जी फॉरवर्ड

सोशल मीडिया पर डाली पोस्टों को फर्जी फॉरवर्ड बताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि वाट्सएप और फेसबुक करते-करते हम मैसेज यहां से वहां और वहां से वहां भेज रहे हैं। कई बार मैं देख रही होती हूं कि सोशल मीडिया में पोस्ट की गई कहानी के नीचे महादेवी वर्मा लिखा होता है, जबकि महादेवी वर्मा ने कोई कहानी लिखी ही नहीं। लोग ऐसे ही फर्जी फॉरवर्ड कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वायरल पोस्टों में उनकी प्रमाणिकता का पता नहीं है, लेकिन भेड़ चाल की वजह से पोस्ट पर पोस्ट किए जा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

कुरुक्षेत्र हस्ताक्षर (लघुकथा संग्रह), अजन्मी बेटी की चिट्ठी (विचारोत्तेजक आलेख), पंचनाद (संतों की वाणी में क्रांति चेतना), चौपाल के मखौल, चौपाल के चाले. (हरियाणवी हास्य), एक बिटिया तो जरूरी है (लघुकथा संग्रह), रोशनी है हम (कविता संग्रह), मंगल सूत्र और मेडल (महिला सशक्तीकरण पर आधारित निबन्ध), कोरोना की चिंगारियां (विचारपरक निबन्ध) बेटे बेटियों में खूब फर्क है, दो नंबर वाली लक्ष्मी (विचारोतेजक आलेख), जादूभरा साथ (कविता संग्रह) प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. शमीम शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी ने डॉ. शमीम शर्मा को वर्ष 2017 के लिए श्रेष्ठ महिला रचनाकार सम्मान से नवाजा है। वर्ष 2009 में हरियाणा सरकार द्वारा प्रकाशित हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया का संपादन किया। हरियाणा हिंदी साहित्य अकादमी से भी उन्हें 'विशिष्ट हिंदी सेवी' पुरस्कार मिला है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय मदर टेरेसा द्वारा स्वर्ण पदक मिला। 2001 की जनगणना में सराहनीय सहयोग के लिए राष्ट्रपति के रजत पदक का सम्मान मिला।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शमीम शर्मा
जन्म : 17 मार्च 1959
जन्म स्थान : गांव जुम्बा, जिला मलोट (पंजाब)
शिक्षा : एमए (स्वर्ण पदक प्राप्त), एमफिल(स्वर्ण पदक प्राप्त), पीएचडी(हिन्दी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

पहले लाइब्रेरी में सीट नहीं, अब वहां विद्यार्थी नहीं

लाइब्रेरी से जुड़े अपने अनुभव को साझा करते हुए डॉ. शमीश शर्मा ने कहा कि जब हम लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए जाते थे तो हमें बैठने को सीट तक नहीं मिलती थी, लेकिन वर्तमान में लाइब्रेरी में सीट तो हैं, परंतु विद्यार्थी नहीं मिलते। डॉ. शर्मा ने बताया कि साहित्य से जुड़े होने के कारण मैंने अपने कॉलेज में भी लाइब्रेरी के लिए स्पेशल एक पीरियड बनाया हुआ है। उसमें हम बच्चों को धक्के से लाइब्रेरी में लेकर जाते हैं, ताकि बच्चे वहां जाकर पढ़ें। साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने पर जोर देते हुए साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा ने कहा कि समाज में हमें युवाओं को पढ़ाने की तरफ अग्रसर करना होगा। उनको प्रेरित व जागरूक करना होगा कि बिना साहित्य पढ़े, हमें न तो अपने अतीत का पता चलेगा और न ही हम अपने भविष्य की सोच पाएंगे।

समाज की परतों को उजागर करती 'ताश का घर'

पुस्तक : ताश का घर
लेखिका : सविता स्याल
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : कौशिक पब्लिशिंग हाउस

पुस्तक समीक्षा

डॉ. अंजना गर्ग

सा हित्य सदा से समाज का दर्पण रहा है, और लघुकथा उस दर्पण की सबसे सजीव छवि। सविता स्याल समकालीन हिंदी साहित्य की एक सशक्त और संवेदनशील रचनाकार है, जिनकी लेखनी समाज के भीतर बहती भावनात्मक धाराओं को गहराई से छूती है। उनकी लेखनी एक ओर जहां समाज की विडंबनायों को उजागर करती है वहीं दूसरी ओर उम्मीद और आत्मबल का स्वर भी रचती है।

'ताश का घर' लेखिका सविता स्याल द्वारा रचित एक सशक्त लघुकथा- संग्रह है, जो समकालीन समाज की विविध परतों को बड़ी सादगी और गहराई से उजागर करता है। यह संग्रह न केवल मानवीय संबंधों की पड़ताल करता है बल्कि उन मौन द्वंद्वों और विसंगतियों को भी सामने लाता है जिन्हें अक्सर समाज के बहाव में अनदेखा कर दिया जाता है। सविता स्याल ने अपनी लघु कथाओं में समाज के विभिन्न पहलुओं को उकेरा है जैसे ' दोषी कौन', ' मी टू', ' मृगतृष्णा' , ' रक्षक/ भक्षक', ' वापसी' जैसी लघुकथाएं इसका उदाहरण है। बाल मनोविज्ञान पर लिखी लघुकथाएं जैसे ' जूम वाली दादी' एवं ' एक दोस्ती ऐसी भी' एक अलग ही प्रभाव छोड़ती हैं। मानवी संवेदनाओं से ओतप्रोत ' दूसरी मां' तथा ' डील' भी संग्रह की खूबसूरत रचनाएं हैं और मानव मन पर एक अलग ही प्रभाव छोड़ती है। 'श्राद्ध' एक अनूठे प्यार की लघुकथा है जिसमें पति पारंपरिक लीक से हटकर पत्नी का श्राद्ध करता है। शीर्षक कथा ' ताश का घर' की बात करें तो जिसके माध्यम से लेखिका ने बिना विवाह किए साथ रहने वाले युवाओं को उसके दुष्परिणामों के बारे में सचेत किया है। यह लघुकथा बहुत से नौजवानों को राह दिखाने का काम करेगी। हर लघुकथा एक सामाजिक प्रश्न खड़ा करती है। कई लघुकथाओं में लेखिका ने उनका समाधान भी बताया है परंतु कुछ लघुकथाएं पाठकों के लिए छोड़ दी हैं जिनका उत्तर पाठक को स्वयं तलाशना होगा। सविता स्याल की भाषा सरल, संवेदनशील और बिंबात्मक है। शैली संवाद प्रधान होने के साथ-साथ सूक्ष्म व्यंग्य और भावनात्मक गहराई का सुंदर संयोजन है। ' ताश का घर' उन साहित्य प्रेमियों के लिए एक अनिवार्य संग्रह है जो लघुकथा को केवल रचना नहीं सामाजिक संवाद मानते हैं। यह पुस्तक विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक शोधकर्ताओं और संवेदनशील पाठकों के लिए उपयोगी है। लेखका को ढेरों शुभकामनाएं एवं आशा करती हूं कि इस प्रथम लघुकथा संग्रह के बाद उनकी कलम लगातार लघुकथा सर्जन पर भी चलती रहेगी।

खबर संक्षेप

कार्तिक बने जिला स्तरीय चयन समिति के सदस्य

बहादुरगढ़। युवा भाजपा नेता कार्तिक राठी को केंद्र सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की स्वायत्त संस्था मेरा युवा भारत ने अहम जिम्मेदारी दी है। उन्हें झज्जर जिले की जिला स्तरीय चयन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। समिति राष्ट्रीय युवा कोर योजना के तहत युवा प्रतिनिधियों का चयन करेगी। समिति का उद्देश्य जिले के हर ब्लॉक से दो समर्पित युवाओं का चयन करना है।

बाइक चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सेक्टर-9 चौकी पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरीशुदा बाइक बरामद कर ली गई है। उसे जेल भेज दिया गया है। दरअसल, सुधाकर निवासी सेक्टर-9 ने शिकायत दी थी कि मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी थी। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया। इस संबंध में केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया गया। आरोपी की पहचान दीपू निवासी परनाला के रूप में हुई। आरोपी से बाइक बरामद कर ली गई है।

धर्मपुरा रमन का नहीं लगा सुराग

बहादुरगढ़। धर्मपुरा का निवासी एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। काफी तलाशने के बाद भी उसका कुछ सुराग नहीं लग पाया है। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। धर्मपुरा के निवासी जोगेंद्रनाथ का कहना है कि उसका मंझला बेटा करीब 46 वर्षीय रमन एक अक्टूबर की सुबह घर से बाहर गया था लेकिन वापस नहीं आया। तब से लेकर अब तक तमाम संभावित ठिकानों पर तलाश चुके हैं लेकिन कुछ पता नहीं चला सका है। वहीं, सिटी थाने से जांच अधिकारी पवन कुमार का कहना है कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले में जांच की जा रही है। जल्द ही रमन का सुराग लगाया जाएगा। मामले की जांच चल रही है।

ओमेक्स में 48 लोगों ने किया रक्तदान

बहादुरगढ़। मां भारती रक्तवाहिनी द्वारा शहर की ओमेक्स सिटी में अनायसा नेटवर्क के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 48 यूनिट रक्त संचय किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पार्षद अमित कसार ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल सेवा नहीं, बल्कि मानवता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कसार ने कहा कि रक्तदान से शरीर पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता। थोड़े समय में ही शहर में रक्त पूरा हो जाता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शताब्दी वर्ष को विजयदशमी उत्सव के रूप में मनाया

आमजन को पंच परिवर्तन का संदेश देने के साथ समाजोत्थान पर जोर

- **जिले में संघ के शताब्दी वर्ष पर कई कार्यक्रम आयोजित किए**
- **कार्यक्रमों में 1350 स्वयंसेवकों ने शस्त्र पूजन किया**

> मुख्य वक्ता, प्रताप (संघ प्रांत कार्यवाह) ने अपने उद्बोधन में शताब्दी वर्ष पर पंच परिवर्तन का संदेश समाज तक पहुंचाने का संकल्प साझा किया। इन पंच परिवर्तनों में कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य और स्व का बोध शामिल हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना शताब्दी वर्ष के अवसर पर विजयदशमी उत्सव का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ कर रहा है। 2 अक्टूबर 2025 से लेकर 5 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले इस आयोजन के अंतर्गत जिले में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। 2 अक्टूबर को जिले के विभिन्न स्थानों पर 12 कार्यक्रम संपन्न हुए, जबकि 5 अक्टूबर को नगर में 6 और अन्य स्थानों जैसे महम, सापला, मकड़ौली और कलानौर में कुल 18 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन सभी कार्यक्रमों में 1350 स्वयंसेवकों ने शस्त्र पूजन और पथ संचलन में भाग लिया।

विजयदशमी उत्सव जिसे संघ स्थापना दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, संघ की गौरवशाली परंपरा और सामाजिक योगदान का प्रतीक है। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिक, युवा, मातृशक्ति और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, प्रताप (संघ प्रांत कार्यवाह) ने अपने उद्बोधन में शताब्दी वर्ष पर पंच परिवर्तन का संदेश समाज तक पहुंचाने का संकल्प साझा किया।

रोहतक। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में भाग लेते राष्ट्रीय स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में भाग लेते राष्ट्रीय स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण से बढ़ेगी समाज में जागरूकता

मुख्य वक्ता, प्रताप (संघ प्रांत कार्यवाह) कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से परिवारों में संस्कार, संवाद और नैतिकता का विकास होगा। पर्यावरण संरक्षण से समाज में प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। सामाजिक समरसता जाति और वर्ग के भेद मिटाकर एकात्मता को प्रोत्साहित करेगी। नागरिक कर्तव्य लोगों में देश के प्रति उत्तरदायित्व बोध बढ़ाएगा और स्व का बोध व्यक्ति को अपने मूल्यों, कर्तव्यों और राष्ट्रधर्म को समझने में सक्षम बनाएगा।

संघ का पिछले 100 वर्षों अलग-अलग क्षेत्रों में रहा योगदान

संघ के पिछले 100 वर्षों में शिक्षण, सेवा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और समाजोत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा है। वर्तमान में संगठन आगामी वर्षों के लिए शिक्षण विस्तार, सेवा कार्य, पर्यावरण जागरूकता और सामाजिक समरसता को और मजबूत करने की योजना बना रहा है। सभी कार्यक्रमों के दौरान संघ स्वयंसेवकों द्वारा शाखा प्रदर्शन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं, जिनमें भारतीय विरासत की विविध झलकियां देखने को मिलीं। उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने उत्सव की महत्ता पर जोर देते हुए आयोजकों और स्वयंसेवकों की सराहना की। इस उत्सव ने न केवल सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को उजागर किया, बल्कि समाज में जागरूकता, सहयोग और एकता के संदेश को भी प्रभावी रूप से पहुंचाया। आगे कहा कि वर्तमान में संगठन आगामी वर्षों के लिए शिक्षण विस्तार, सेवा कार्य, पर्यावरण जागरूकता और सामाजिक समरसता को और मजबूत करने की योजना बना रहा है।

महम। पथ संचलन कार्यक्रम में भाग लेते आरएसएस स्वयंसेवक।

महम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया शताब्दी वर्ष कार्यक्रम

- **महम में ऐतिहासिक चौबीसी चबूतरे पर हुआ कार्यक्रम**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम में स्थित ऐतिहासिक चौबीसी चबूतरे पर रविवार को महम खंड के राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने संघ शताब्दी वर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संघ के जिला कार्यकारिणी सदस्य मनजीत सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में महम के एसडीएम मुकुंद तंवर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। जबकि मनजीत सिंह मुख्य वक्ता रहे। मुख्य अतिथि मुकुंद तंवर ने बताया कि संघ के सदस्यों द्वारा संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर शहर में पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन करवाने के लिए कहा गया था। इसके लिए सुरक्षा व पथ संचलन कार्यक्रम को लेकर पुलिस की ड्यूटियां लगाई गई।

आरएसएस राष्ट्रहित में कर रहा कार्य

एसडीएम ने कहा कि आरएसएस संघ द्वारा राष्ट्र हित में किए जाने वाले कार्यों के साथ साथ नैतिकता के कार्यों पर भी ध्यान दिया जाता है। यह राष्ट्र हित में काम करने वाला सबसे बड़ा संगठन है। आर एस एस के जिला कार्यकारिणी सदस्य मंजीत सिंह ने कहा कि यह सामाजिक संगठन समाज में सन्तुलन बनाए रखने में अहम योगदान दे रहा है।

संघ का योगदान बताया

मंजीत सिंह ने कहा कि अपने उद्देश्यों को पूर्ण करना, व समय स्थति के अनुसार नए उद्देश्य को निर्धारित करना आर एस एस की पहचान है। समाज में लगातार योगदान देना व निष्ठावान, समर्पण के कारण आज 100 वर्षों बाद भी लगातार और भी मजबूत संगठन बनता जा रहा है।

जॉन वेस्ले स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक में विद्यार्थियों की प्रगति पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम पर अभिभावक - शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में विद्यार्थियों ने अभिभावकों के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। अभिभावकों ने अध्यापकों के साथ मिलकर अपने बच्चों के पाठ्यक्रम गतिविधियों पर स्वभाव संबंधी, अनुशासन संबंधी, दिक्कतों व उनके सर्वांगीण विकास के लिए परामर्श किया। और बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर चर्चा की।

बच्चों का शैक्षिक प्रतियोगिताओं की दी जानकारी

इस दौरान अभिभावकों को बच्चों की प्रगति और तैयारी के स्तर की जानकारी दी गई। अभिभावक शिक्षक बैठक शिक्षकों और अभिभावकों को अपने अवलोकन व मूल्यांकन साझा करने का अवसर प्रदान करता है। रोजमर्रा के अवलोकन साझा करने से माता-पिता और शिक्षकों को बच्चे के बेहतर सीखने के परिणाम के लिए योजना बनाने, व्यवस्थित करने और क्रियान्वित करने की अनुमति मिलती है। अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित करने से दोनों पक्षों को छात्र की ताकत, कमजोरियों और विकास की गहन जांच करने का मौका मिलता है।

बाल संस्कार कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

- **माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नए भवन में बाल संस्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम में बच्चों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि डा. केदारनाथ गर्ग व अन्य माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नए भवन में बाल संस्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया मुख्य अतिथि डा. केदारनाथ गर्ग व उनकी पत्नी अक्षा गर्ग ने मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य अतिथि के स्वागत में ट्रस्ट की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। ओमप्रकाश विरमानी व संजय चावला ने भजनों के माध्यम से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया।

मुख्य अतिथि ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया में तीन तरह के व्यक्ति होते है। पहला, देवता जो सिर्फ दान देने वाला होता है। उन्होंने ट्रस्ट के चेयरमैन हरि प्रकाश गुप्ता को देवता की श्रेणी में बताया। दूसरा इंसान जो अपना हक छोड़ता नहीं है और दूसरों का हक खाता नहीं है। तीसरी श्रेणी में राक्षस होते हैं जो दूसरों का हक छीनता है। उन्होंने कहां कि ट्रस्ट 272 बच्चों को निशुल्क शिक्षा देता है, जोकि एक पुण्य का का काम है।

बच्चों ने प्रश्नोत्तरी के दिए सटीक जवाब

कुलदीप मित्तल ने बच्चों से प्रश्नोत्तरी की व बच्चों ने भली-भांति उनके उत्तर दिए। गोविन्द राम सिंघल ने आध्यत्मिक शिक्षा पर पहला पुरस्कार रोशनी को व दूसरा पुरस्कार वंशीका को दिया। उन्होंने बच्चों को रजिस्टर व अन्य सामग्री दी। इस अवसर पर हरिप्रकाश गुप्ता, अजेश गुप्ता, वेद प्रकाश साहनी, ओमप्रकाश विरमानी, कुलदीप मित्तल, राम अवतार शास्त्री, कविता जांगड़ा, संजय चावला व दिनेश गर्ग आदि उपस्थित थे। ट्रस्ट की छात्रा दीक्षा ने प्रगति रिपोर्ट पढ़कर सुनाई।

देश को स्वदेशी के माध्यम से ही उन्नति के शिखर पर ले जाया जा सकता है: जितेंद्र

- **विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान हुआ आयोजन**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के तत्वाधान एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संरक्षित शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना रोड में गांधी के आदर्शों को याद कर स्वदेशी सप्ताह का समापन किया।

कार्यक्रम प्रमुख शिखा ने बताया कि विद्यालय में स्वदेशी सप्ताह 25 सितंबर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती से प्रारंभ होकर 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक मनाया जाता है। इस बार स्वदेशी सप्ताह के अंतर्गत स्लोगन राइटिंग कंपटीशन ,वाद विवाद प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता की गई।

स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की प्रेरणा दी

मुख्य रूप से स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना था लघु उद्योगों को समर्थन और स्थानीय कारीगरों के सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। विद्यालय प्राचार्य जितेंद्र कुमार ने इस अवसर पर सभी छात्रों को स्वदेशी अपनाने का विशेष आग्रह किया और बताया कि स्वदेशी अपनाकर ही हम अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों का पालन कर सकते हैं। आज के समय में हम अपने देश को स्वदेशी के माध्यम से ही उन्नति के शिखर पर ले जा सकते हैं। स्वभाषा, स्वभूषा , स्वदेशी ही हमारे स्वाभिमान का आधार है।विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के तत्वाधान एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संरक्षित शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना रोड में गांधी के आदर्शों को याद कर स्वदेशी सप्ताह का समापन किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के माननीय अध्यक्ष डॉ. आदित्य बत्रा, उपाध्यक्ष उद्योगपति करन विग, प्रबंधक राम चरण सिंगला, कोषाध्यक्ष एसके गुप्ता , कार्यकारिणी सदस्या बीना कौशिक , डॉ. दिनेश मदान ने छात्रों को स्वदेशी और स्वच्छता के लक्षण को आगे बढ़ाने और भविष्य में इसी दिशा में निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी।

शाइनिंग स्टार्स में अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, सफल छात्र पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शाइनिंग स्टार्स स्कूल में अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विद्यालय प्रांगण में परिणाम घोषणा के समय एक सौहार्दपूर्ण एवं उल्लासमय वातावरण रहा। बच्चों की मेहनत, लगन और नियमित अध्ययन का परिणाम उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन में स्पष्ट दिखाई दिया।

परिणाम देखकर विद्यार्थियों और अभिभावकों के चेहरों पर संतोष और प्रसन्नता झलक उठी।

रोहतक। शाइनिंग स्टार्स स्कूल में अर्धवार्षिक परीक्षा मौजूद छात्र-शिक्षक।

सभी ने विद्यालय की शिक्षण पद्धति और शिक्षकों के समर्पण की सराहना की। विद्यार्थियों ने आगामी परीक्षाओं में और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक ने विद्यार्थियों को उनकी मेहनत और उपलब्धियों के लिए बधाई दी तथा निरंतर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं केवल अंकों का मूल्यांकन नहीं करतीं, बल्कि यह विद्यार्थियों की प्रगति का प्रतिबिंब होती हैं।

छात्राओं के अद्भुत साहस की सभी ने की सराहना

रोहतक की छात्राओं ने 58वीं हरियाणा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

- **अंडर-17 आयु वर्ग की दीपिका ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

3 से 5 अक्टूबर तक शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित 58वीं हरियाणा राज्य स्तरीय स्कूली प्रतियोगिता में रोहतक जिले की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता में रोहतक की छात्राओं ने कराटे और क्रिकेट दोनों खेलों में शानदार प्रदर्शन किया। मीडिया संयोजक डॉक्टर जनक राज ने बताया कि कराटे प्रतियोगिता में अंडर-17 आयु वर्ग की दीपिका ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। वहीं अंडर-19 आयु वर्ग में ज्योति और हर्षिता ने भी बेहतरीन प्रदर्शन कर कांस्य पदक हासिल किया। खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ प्रतिस्पर्धा कर जिले का गौरव बढ़ाया। अंडर-17 बालिका वर्ग क्रिकेट प्रतियोगिता में रोहतक की टीम ने फाइनल मुकाबले में महेंद्रगढ़ को 30 रनों से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

रोहतक। खेल प्रतियोगिता में मौजूद विद्यार्थी और शिक्षक।

रोहतक का प्रदर्शन

रोहतक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 78 रन बनाए, जबकि महेंद्रगढ़ की टीम 48 रन पर 7 विकेट खोकर निर्धारित ओवर पूरे नहीं कर सकी। टीम के सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि में प्रशिक्षकों और टीम इंचार्ज का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा, जिन्होंने खिलाड़ियों को मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया। रोहतक की बालिकाओं की यह उपलब्धि निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और जिले के खेल विकास को नई दिशा देगी।

पूर्व उप मुख्यमंत्री ने भाजपा-कांग्रेस पर साधा निशाना, जेजेपी को बताया जनता का हितैषी

रोहतक। जननायक जनता पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के मकसद से रविवार को जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया। इस मौके पर जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर फीडबैक लिया। सम्मेलन में नेताओं का स्वागत पगड़ी और चादर पहनाकर किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला ने भाजपा सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है और अपराधियों का हौसला बुलंद है। व्यापारियों से रोज फिरौती मांगी जा रही है। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पत्रकारों से बातचीत में सवाल किया कि नायब सैनी सरकार के एक साल का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है, तो सीएम जनता को पांच बड़ी उपलब्धियां गिनवाएं। उन्होंने तंज कसा कि सीएम दिनभर हेलीकॉप्टर यात्राओं में व्यस्त रहते हैं और उनके मंत्री तक यह मानते हैं कि जब सीएम जमीन पर उतरेंगे तभी उन्हें प्रदेश की असलियत पता चलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है। अपराध कम होने की बजाय लगातार बढ़ रहे हैं। सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना में आय की सीमा एक लाख रखकर 75 प्रतिशत गरीब महिलाओं को योजना से वंचित कर दिया है।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला।

सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भगवान वाल्मीकि को किया नमन

रोहतक। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने पाड़ा मोहल्ला स्थित प्राचीन वाल्मीकि मंदिर में रामायण के रचयिता भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर के बयान पर पलटवार किया। हुड्डा ने कहा कि वह पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर की पीड़ा को भलीभांति समझ सकते हैं, क्योंकि भाजपा के तमाम प्रयासों के बावजूद जनता ने उन्हें स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि उनके पास ऐसी कोई मलहम नहीं है, जो इस पीड़ा से राहत दिला सके। कांग्रेस के कल वोट चोर गद्दी छोड़ विरोध प्रदर्शन के बाद भाजपा के पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने प्रतिक्रिया दी थी कि अगर वोट चोरी हुए हैं तो पहले कांग्रेस रोहतक की पांचों सीटों से इस्तीफा दें। अगर वोट चोरी हुए तो कांग्रेस कैसे जीत गई। इसी प्रतिक्रिया पर दीपेंद्र हुड्डा ने पलटवार किया है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि महर्षि वाल्मिकी ने रामायण ग्रंथ में धर्म, मर्यादा, सच्चाई को परिभाषित करने का काम किया। रामायण से हम सभी को प्रेरणा मिलती है।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- ICU Staff 6
- PRO/Marketing Executive 6
- MRI Technician 2
- Computer Operator (Male) 2
- Computer Operator (Female) 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

यूटीडी की योग टीम ने अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

सफलता योग अभ्यास, अनुशासन और मेहनत का प्रतिफल: कुलपति प्रो. राजबीर सिंह

हरिभूमि ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की यूटीडी योग टीम ने महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय, झज्जर में आयोजित अंतर-महाविद्यालय योग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह और विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डॉ. शरणजीत कौर ने इस सफलता के लिए विजेता टीम और टीम इंचार्ज को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस विजेता टीम में योग अध्ययन केंद्र की छात्राएं मीनाक्षी, राखी, मानसी, वर्षा, सपना (गणित विभाग) तथा मीनाक्षी (शारीरिक शिक्षा विभाग) शामिल थीं। सभी प्रतिभागियों ने अपने प्रदर्शन से विवि को गौरवांवित किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि यह सफलता योग अभ्यास, अनुशासन और मेहनत का प्रतिफल है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्कीम फॉर स्किल-बेस्ड स्टूडेंट्स' के अंतर्गत एम.ए. योग के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के छात्रावासों में योग प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त किया जाएगा। इस योजना के तहत विद्यार्थियों को प्रतिमाह 8,000 से 12,000 रुपये का मानदेय प्रदान किया जाएगा। साथ ही उन्हें पेड इंटर्नशिप प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। योग प्रशिक्षक विश्वविद्यालय के बॉयज़ और गर्ल्स हॉस्टल्स में प्रातः और सायं योग कक्षाओं का संचालन करेंगे। इसके अलावा वे विश्वविद्यालय परिसर और शहर के पार्कों में भी योग सत्र आयोजित कर समाज में स्वास्थ्य और योग के प्रति जागरूकता फैलाएंगे।

कुलपति ने नरेश के प्रयासों की प्रशंसा की

कुलपति ने नरेश अहलावत के प्रयासों की भी प्रशंसा की, जो प्रतिदिन टैगोर सभागार के पास प्रातः योग कक्षाओं का संचालन करते हैं। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, यह केवल नियमित अभ्यास और कठिन परिश्रम से ही प्राप्त की जा सकती है। योग अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. सुनीता सैनी ने बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में एम.ए. योग (रेगुलर) पाठ्यक्रम संचालित हो रहा है और शीघ्र ही योग से संबंधित सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए जाएंगे, जिससे अधिक विद्यार्थी इस क्षेत्र से जुड़कर लाभान्वित हो सकें।

खबर संक्षेप

सीडी कांड-स्याही प्रकरण को नहीं भूली है जनता

रोहतक। इनेलो के शहरी जिला अध्यक्ष राकेश सहगल ने कहा कि कांग्रेस व भाजपा में नूरा कुश्ती का खेल चल रहा है। कांग्रेस भाजपा की बी टीम बनकर काम कर रही है। कांग्रेस के समय किस तरह से पैसे लेकर जमीनों की सीएलयू होती थी और राज्यसभा के चुनाव में भी भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए कांग्रेस द्वारा स्याही प्रकरण को भी प्रदेश की जनता भूली नहीं है। वोट चोरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस सबसे बड़ी वोट चोर है।

नरेश को खाप का प्रदेश अध्यक्ष बनाने पर बंटे लड्डू

महम। नरेश नहरा का मुंह मीठा करवाकर बधाई देते इलाकावासी।

महम। निंदाना तिगरी गांव के पूर्व सरपंच नरेश नहरा उर्फ गटरा को नहरा खाप का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर महम में लड्डू बांटे गए। गोहाना मोड़ पर अनिल नहरा के आवास पर काफी संख्या में क्षेत्र के लोग एकत्रित हुए। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सत्यवीर भराण ने बताया कि नरेश नहरा को रोहतक में नहरा खाप का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। नहरा खाप को एक अनुभवी प्रदेश अध्यक्ष मिला है। इस मौके पर सोनू नहरा, अनिल नहरा, सुभाष दुहन मौजूद रहे।

हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज की मासिक बैठक

रोहतक। मानसरोवर पार्क स्थित सीनियर सिटीजन क्लब में रविवार को हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला चेयरमैन देबी सिंह देसवाल एवं जिला प्रधान दयानंद यादव ने संयुक्त रूप से की। बैठक में राज्य कार्यकारिणी के सदस्य, जिसमें राज्य चेयरमैन मेहर सिंह नैन, राज्य प्रधान वीरेंद्र शर्मा, राज्य उपप्रधान धर्म कौर मलिक, राज्य कोषाध्यक्ष तुल्हीराम शर्मा उपस्थित रहे।

प्रशासन की लापरवाही से जलभराव, मच्छरों और बीमारियों का बढ़ा खतरा

गढ़ी बोहर सड़क बन गई सीवर का नाला, रोजाना खतरे में गुजरते लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गढ़ी बोहर की मुख्य सड़क पर चलना इन दिनों किसी मुसीबत से कम नहीं है। सड़क पर जगह-जगह फैला सीवर का गंदा पानी राहगीरों के लिए सिरदर्द बन गया है। हालत यह है कि पैदल चलने वाले हों या फिर वाहन चालक, हर कोई बदहाल सीवर व्यवस्था की कीमत चुका रहा है।

सड़क के किनारे बने सीवर चैंबर से लगातार पानी बहकर सड़क पर फैल रहा है। सफाई के अभाव में यह पानी नालियों में जाने की बजाय सड़क पर ही जमा हो जाता है। इस वजह से वहां से गुजरना किसी खतरे से खाली नहीं है। कई बार वाहन फिसल जाते हैं और पैदल चलने वाले लोग कीचड़ में गिर जाते हैं। गांव के निवासियों कुलदीप, जयपाल, विजय समेत अन्य लोगों का कहना है कि इस रास्ते से रोजाना स्कूल जाने वाले छोटे बच्चे और बुजुर्गों को भी गुजरना पड़ता है। गंदे पानी से निकलती बदबू ने माहौल असहनीय बना दिया है। लोगों का कहना है कि घरों में खिड़कियां तक खोलना मुश्किल हो गया है। सीवर के पानी से जगह-जगह बने गड्ढों में मच्छरों की भरमार हो चुकी है।

शिकायत नहीं आई

इस तरह की समस्या है तो उसके बारे में कोई शिकायत हमारे पास नहीं आई है। अगर इस तरह की समस्या बनी है तो उसका आज ही समाधान करवा दिया जाएगा। इस तरह से सड़क पर दूषित पानी जमा नहीं होने दिया जाएगा। सीवर की निरंतर सफाई करवाई जाएगी।

मनीषा नांदल, पार्षद, वार्ड-10

रोहतक। गांव बोहर में सड़क पर जमा गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्य की सुरक्षा बनी चुनौती

ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या अब सिर्फ गंदगी तक सीमित नहीं रही, बल्कि सीधे स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी चुनौती बन चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द ध्यान नहीं दिया तो वे सामूहिक रूप से विरोध प्रदर्शन करेंगे। अगर फिर भी समाधान नहीं किया जाता है तो वह सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज करवाने पर मजबूर होंगे। फिलहाल गढ़ी बोहर की मुख्य सड़क सीवर ओवरफ्लो की मार झेल रही है और लोग इस सोच में हैं कि आखिर कब तक वे इस नारकीय स्थिति में जीने को मजबूर रहेंगे। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे हालात डेंगू, मलेरिया और हैजा जैसी बीमारियों को बुलावा दे सकते हैं। लोग चिंतित हैं कि बरसाती मौसम में यह समस्या और भयावह रूप ले सकती है। लोगों ने आरोप लगाया है कि शिकायतें बार-बार दर्ज कराने के बावजूद प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। केवल दिखावे की सफाई कर दी जाती है और कुछ ही दिनों में हालात फिर वैसे ही हो जाते हैं।

एमडीएन स्कूल के पास मेनहॉल से ढक्कन गायब

एमडीएन स्कूल के पास मुख्य सड़क पर सीवर व्यवस्था का बुरा हाल है। कहीं सीवर जाम हैं तो कही सीवर मेनहॉल के ढक्कन ही गायब हैं। ऐसे में बड़ा हादसा होने का डर बना रहता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सीवर व्यवस्था को सही करवाया जाए। लोगों का कहना है कि इसके अलावा कई और कॉलोनियों में या तो सीवर के ढक्कन टूट चुके हैं या गायब हैं। जिनकी वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

समाज सुधार, नशामुक्ति व खाप कमेटियों का गठन

ईडन गार्डन में अखिल भारतीय नेहरा खाप महापंचायत का भव्य अधिवेशन

हरिभूमि ▶▶ रोहतक

ईडन गार्डन में रविवार को अखिल भारतीय नेहरा खाप महापंचायत एवं तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन का भव्य आयोजन हुआ। इसकी अध्यक्षता बजरंग लाल नेहरा झुंझुनु (राजस्थान) ने की जबकि मंच संचालन राष्ट्रीय संयोजक संदीप सहरावत ने निभाया।

इस ऐतिहासिक अधिवेशन में हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड सहित उत्तर भारत की अनेक खाप पंचायतों से सरदारियां बड़ी संख्या में शामिल हुईं। अधिवेशन में समाज सुधार से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। प्रतिनिधियों ने नशा मुक्ति, परंपरागत 36 बिरादरी और गोत्र प्रणाली को संरक्षित रखने तथा बढ़ते लिव-इन रिलेशनशिप और समलैंगिक विवाह जैसे प्रचलनों को समाप्त करने पर सहमति जताई। वक्ताओं ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को कुरीतियों से दूर रखकर सशक्त और समृद्ध समाज का निर्माण ही इस अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य है।

नरेश को हरियाणा प्रदेश प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी

इस दौरान नेहरा खाप की अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय कमेटियों का गठन भी किया गया। प्रदीप नेहरा (दुबई) को अंतर्राष्ट्रीय प्रधान, सत्यनारायण नेहरा (मुडका) को राष्ट्रीय प्रधान, रामचन्द्र नेहरा को खाप संरक्षक, बजरंग लाल नेहरा को मानद प्रधान, नरेन्द्र नेहरा को राष्ट्रीय महासचिव तथा डॉ. अजब सिंह को राष्ट्रीय सलाहकार नियुक्त किया गया।

वहीं नरेश निन्दाणा को हरियाणा प्रदेश प्रधान और डॉ. विकास नेहरा को राजस्थान प्रदेश प्रधान की जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में खाप समाज के वरिष्ठों व युवाओं के साथ महिला प्रतिनिधियों की भी सक्रिय भागीदारी रही। इस दौरान सभी ने एक स्वर में नशामुक्त, संगठित और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

मॉडल स्कूल महम के बच्चों ने किया रोहतक चिड़ियाघर का शैक्षिक भ्रमण

रोहतक चिड़िया घर का शैक्षिक भ्रमण करने पहुंचे मॉडल स्कूल महम के नन्हें मुन्ने बच्चे।

महम। मॉडल स्कूल महम के नर्सरी से द्वितीय क के विद्यार्थियों को रोहतक चिड़िया घर में शैक्षिक भ्रमण के लिए ले जाया गया। यह भ्रमण बच्चों के लिए मनोरंजक और ज्ञानवर्धक रहा। बच्चों ने विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षियों को देखा और उनके बारे में नई बातें सीखीं। अध्यापकों ने बच्चों को जानवरों के स्वभाव, खानपान और पर्यावरणीय महत्व की जानकारी दी। मॉडल एजुकेशन सोसाइटी के चेयरपर्सन व उपायुक्त सचिन गुप्ता, उपाध्यक्ष राम अवतार गुप्ता तथा सचिव राजेश सहगल ने इस शैक्षणिक भ्रमण को बच्चों में उत्साह और सीखने की भावना को प्रोत्साहित करने वाली सराहनीय पहल बताया। स्कूल प्रभारी डॉ. हिमांशु शर्मा ने कहा कि ऐसे भ्रमण बच्चों में सीखने की रुचि और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं।

पिता-पुत्र अंतरराष्ट्रीय साहित्योत्सव में सम्मनित

रोहतक। हरियाणा की साहित्यिक परंपरा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाले पिता-पुत्र की जोड़ी को रविवार को कुरुक्षेत्र में सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय साहित्य एवं शोध संस्थान की निर्मला स्मृति साहित्यिक समिति द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साहित्योत्सव में डॉ. सत्यवीर सिंह निराला को हरियाणवी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसी कार्यक्रम में उनके पुत्र जगजीत सिंह निराला को भी साहित्य के क्षेत्र में किए गए शोध कार्य के लिए धर्मेंद्र गौतम स्मृति साहित्य सम्मान–2025 से नवाजा गया। यह अवसर पिता-पुत्र दोनों के लिए ही गौरव का क्षण रहा। कार्यक्रम के दौरान जगजीत सिंह निराला की शोध पुस्तक आध्यात्मिक संत डॉ. सत्यवीर निराला काव्य दृष्टि एवं सृष्टि का विमोचन हरियाणा साहित्य अकादमी के निदेशक धर्मदेव विद्यार्थी ने किया।

डॉ. सत्यवीर सिंह निराला और जगजीत सिंह निराला की उपलब्धियों पर गर्व

पुस्तक विमोचन : पुस्तक विमोचन के समय मंच पर मौजूद साहित्यकारों ने कहा कि यह पुस्तक साहित्यिक धरोहर है। इस भव्य आयोजन में उप्र, हरियाणा व मप्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, विभागाध्यक्ष और गणमान्य लोग शामिल हुए। साहित्यकारों ने कहा कि डॉ. सत्यवीर सिंह निराला ने हरियाणवी भाषा को जो पहचान दिलाई है। वहीं उनके पुत्र जगजीत सिंह निराला ने अपने शोध कार्यों से इस परंपरा को और आगे बढ़ाया है।

विद्यार्थियों ने दिया नशा मुक्ति का संदेश

महम। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोखरा में एनएसएस इकाई द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति का संदेश दिया। स्वयंसेवकों ने पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में भाग लिया। पोस्टरों के माध्यम से विद्यार्थियों ने बताया कि नशा व्यक्ति के लिए बहुत ही घातक है। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुज मलिक व विद्यालय प्रभारी सुरेश जांगड़ा के मार्गदर्शन में हुआ। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सतीश दांगी ने शिविर की गतिविधियां चलाई। मुख्य वक्ता अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज खेल प्रतियोगिता के पदक विजेता रहे गणित अध्यापक विवेकानंद गौतम ने सेवा भाव में उन्नत समाज की स्थापना एवं स्वयंसेवकों की भूमिका विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने स्वस्थ शरीर, सेवा भावना और समाज निर्माण के आपसी संबंध को रेखांकित किया। दूसरे वक्ता अंग्रेजी प्रवक्ता विक्रम ने स्वयं सेवक एवं भारतीय संस्कृति विषय पर अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा और सहयोग की परंपरा प्राचीन काल से रही है। जिसे स्वयंसेवकों को आगे बढ़ाना चाहिए। अंग्रेजी प्रवक्ता उषा के सहयोग से शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा नशा मुक्ति पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

कुछ महीनों से दो खेमों में बंटा मदवि समुदाय, छात्र कर रहे आंदोलन

एमडीयू में एक और 'खासमखास' की छुट्टी, फैकल्टी हाउस के कर्ताधर्ता थे

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय(मदवि) प्रशासन ने फैकल्टी हाउस के इंचार्ज बलजीत सिंह ओएसडी (बागवानी) को तत्काल प्रभाव से कार्यभार मुक्त कर दिया। सूत्रों के अनुसार इसकी दो अंदरूनी वजह बताई जा रही हैं। पहली 3 अक्टूबर को फैकल्टी हाउस में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के स्टॉफ के भोजन में कांच के टुकड़े जैसा कुछ मिलना और दूसरी वजह 19 सितंबर को वीसी आवास में छात्रों का जबरन घुसना। बताया जा रहा है कि जो छात्र घटना की अगुवाई कर रहे थे, वे बलजीत सिंह के करीबी थे। उनकी शह के बिना वे अंदर नहीं जा सकते थे।

बलजीत को इंचार्जशिप से हटाने से पहले भी यूनिवर्सिटी कई और प्रशासनिक नजदीकियों को उनका मूल काम सौंप चुकी है। जब से उन्हें मूल काम सौंपा गया है, तब से विश्वविद्यालय में नित नए विवाद जन्म ले रहे हैं। 19 सितंबर को वीसी आवास पर छात्रों ने गमला फैक्ट्री पकड़ी थी। ध्यान रहे कि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने अपने आदेश में बलजीत को पद से क्यों हटाया जा रहा है, ये उल्लेख नहीं किया है।

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार द्वारा जारी किए आदेश

दो खेमों में कुछ प्रोफेसर भी

अधिकारी को मौका-बहाना मिलते ही किचन कैबिनेट से अब विरोधी दिखाई देने वाले लोगों को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। दो खेमों के अलावा कुछ ऐसे प्रोफेसर भी हैं, जिन्हें बीते साढ़े छह साल में मूल काम के अलावा दूसरा प्रशासनिक कार्य यूनिवर्सिटी ने दिया नहीं, वे दोनों तरफ से चटकारे ले रहे हैं। नॉन टीचिंग वाले इस समय संघ के वार्षिक चुनाव में मस्त हैं। टीचिंग वाले आंदोलनकारी छात्रों की समस्याओं से व्यस्त,ग्रस्त और त्रस्त हैं। जांच करके सिफारिशें की जा रही हैं कि वीसी आवास में घुसने वाले छात्रों के खिलाफ क्या कार्रवाई करना मुनासिब होगा।

एक दिन के लिए बने थे एक्सईन

सूत्र बताते हैं कि वीसी आवास में घुसने की घटना जिस दिन हुई थी, उस दिन से ही यूनिवर्सिटी प्रशासन का एक अधिकारी बलजीत सिंह से खफा हो गया था। अगर तुरंत इन्हें फैकल्टी हाउस के इंचार्ज पद से हटाया जाता तो प्रशासन को लेकर कर्मचारियों में गलत संदेश जाता है। वहीं, जब छात्र आवास में घुसे थे तो बलजीत बीच-बचाव में सबसे आगे थे। इसके बाजवूद उन्हें अब पद से हटा दिया। ध्यान रहे कि बलजीत 2 साल 11 महीने पहले यूनिवर्सिटी से रिटायर हुए थे। अधिकारियों के प्रति इनकी वफादारी को देखते हुए इन्हें एक दिन के लिए एसडीओ से एक्सईन के पद पर पदोन्नत किया गया था। इन्हें दोबारा नौकरी पर भी रखा गया। इनकी सेवा को हर साल एक्सटेंशन दी जाती है। अब तक तीन बार एक्सटेंशन मिल चुकी है।

हरियाणा वक्फ लैंड होल्डर एसो. की राज्य स्तरीय बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा वक्फ लैंड होल्डर एसोसिएशन की राज्य स्तरीय बैठक प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम गोयल की अध्यक्षता में पंजाबी रामलीला परिसर में आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य वक्फ एक्ट संशोधन बिल और सुप्रीम कोर्ट द्वारा 15 सितंबर 2025 को पारित फैसले के बारे में जानकारी साझा करना था। बैठक में केंद्रीय एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया गया कि वक्फ प्रॉपर्टी पर आए फैसले और नए कानून में किराएदारों के पक्ष में निर्णय लिया गया। संरक्षक मेघनाथ गुप्ता, गुलशन निझावन, प्रधान घनश्याम गोयल, महासचिव राकेश सचदेवा और राकेश चोपड़ा ने संशोधन बिल के मुख्य बिंदुओं और नियमों को विस्तार से बताया। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि सभी किरायेदारों को नए संशोधन के तहत मालिकाना हक प्रदान किया जाए और वक्फ बोर्ड से पीछा छुड़ाकर संपत्ति अपने कब्जे में ली जाए।

बैठक में यह रहे मौजूद

बैठक में विजय गिरधर (करनाल), पवन दुआ (पलवल), संदीप कुमार (झज्जर), विक्की जुनेजा (कलानौर), संजीव धीमान (कलायत), पवन नागपाल (कैथल), आशीष तनेजा (कुरुक्षेत्र) समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी ने इस निर्णय और कानून के सकारात्मक प्रभाव को साझा किया और वक्फ संपत्ति के संरक्षण और अधिकारों के कार्यान्वयन पर जोर दिया। बैठक में भाग लेने वालों ने मिलकर संपत्ति के उचित उपयोग और संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता जताई।